आज की मुरली का सार -

मीठे-मीठे, प्यार के सागर बाबा बोले, बच्चों को बाबा का प्यार पाना हैं तो बच्चों को लायक भी बनाना हैं.

बाबा के प्यार के लायक हम कैसे बने?

- बाबा ने कहा जो बच्चे मुझे सच्चे दिल से प्यार करते होगे, वह बाबा की राय को फौरन मान लेते होगे. बाबा की दी हुई राय को अमल में लायेंगे. जो बच्चे आज्ञाकारी, फरमानबरदार होगे उनको बाबा बहोत प्यार करता हैं.

- बाबा ने कहा जो गुणवान बच्चे हैं, वही बाबा का प्यार खींचते हैं. बाबा हरे एक के गुणों को देखते हैं और प्यार भी करते हैं.

- बाबा ने कहा, जो मीठे-मीठे सर्विसेबल बच्चे हैं, उनको याद करते हैं. बाबा देखते हैं, इनमें क्या गुण हैं, ये कैसा फुल बने हैं. जो अच्छे गुणवान सर्विसेबल बच्चे हैं, उनको बाबा की कशिश भी होगी माना बाबा का प्यार महसूस करेंगे.

- बाबा ने कहा, जो बच्चे अपना पोतामेल (चार्ट) रखते हैं. जो बच्चे आगे बढ़ाने का तीव्र पुरुषार्थ करते हैं वही अपना सच्चा चार्ट जरूर लिखते हैं, क्योंकि उससे ही खुद की प्रोग्रेस चेक कर सकते हैं.

हमें दो बातों का सच्चा चार्ट जरूर लिखना हैं, बाबा की याद और कर्मों का चार्ट. इस मुरली सार के साथ, तीव्र-पुरुषार्थ का चार्ट फिर से भेज रहे हैं.

- बाबा ने कहा, जो बच्चे योग बल से अपने में जोहर भरते हैं. जो बच्चे बाबा की याद में रह, अपने में रही जंक को निकाल ने का पुरुषार्थ करते हैं. ऐसे बच्चों को भी बाबा की कशिश बहुत अनुभव होती हैं.

ॐ शांति.